

दैनिक



www.currentcrime.com

करंट क्राइम

सिर्फ सच...

03

नई दिल्ली | सोमवार

09 फरवरी - 2026

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

India's Largest Air Cooler Manufacturing Company

INTRODUCING

MAAN

LUXURY

Life is Banaya Wonderful

10M+ Sold 40+ Years

दैनिक करंट क्राइम ने छोटे बच्चों की ऑनलाइन एजुकेशन को लेकर जब रखा एक सवाल अभिभावकों ने कहा ऑनलाइन शिक्षा होनी चाहिए समाप्त, समय और मनस्थिति हो रही है खराब

Deepak Bhati's Post

Deepak Bhati

छोटे बच्चों की ऑनलाइन (मोबाइल फोन) से पढ़ाई को लेकर

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एक दौर था जब स्कूल को जीवन की एक ऐसी धुरी माना जाता था जहां व्यक्ति का निर्माण होता है। स्कूल है, शिक्षक है, संस्कार है और शिक्षा है। समय बदला और तकनीक का युग आया और फिर जब सबकुछ ऑनलाइन आया तो शिक्षा भी ऑनलाइन आ गयी। आज स्कूल की छुट्टी होते ही बच्चे ऑनलाइन क्लास पर आते हैं, लेकिन इसके साइड इफेक्ट सामने आ रहे हैं। इन इफेक्ट की वजह से बच्चे आ रहे हैं और यह स्थिति अभिभावकों के लिए भी गम्भीर है। दैनिक करंट क्राइम हमेशा से अपने पाठकों के साथ जनहित के मुद्दों को साझा करता है। गम्भीर मुद्दों पर आपस में राय मशवरा होता है। आज जब बच्चे खेल के मैदान से दूर हो रहे हैं और कई ऑनलाइन गेम पर अपनी जान तक दे रहे हैं। ऐसे में बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई का किताब लोभ हो रहा है और किताब नुकसान हो रहा है इसे लेकर दैनिक करंट क्राइम ने अपने पाठकों के सामने एक बड़ा सवाल रखा। क्या ऑनलाइन पढ़ाई छोटे बच्चों के लिए कोई वरदान है। या फिर ये पढ़ाई एक मानसिक बोझ है। पाठकों ने इस सवाल पर अपने जवाब दिये, अपनी राय रखी। ऑनलाइन पढ़ाई को लेकर अभिभावक भी दैनिक करंट क्राइम के इस सवाल पर आगे आये। किसी ने ऑनलाइन पढ़ाई को एक बेहतर विकल्प बताया तो किसी ने कहा कि ऑनलाइन एजुकेशन सिर्फ टेंशन दे रही है। दैनिक करंट क्राइम ने अपने पाठकों के साथ इस मुद्दे को साझा किया और उनकी राय को सामने रखा।

facebook

उपेन्द्र प्रताप सिंह
मैं बिल्कुल भी सहमत नहीं हूँ कि छोटे बच्चे मोबाइल का उपयोग ना करें पर ऑनलाइन क्लास के चक्कर में बच्चों को मोबाइल का उपयोग करना पड़ रहा है ऑनलाइन क्लास नहीं होनी चाहिए इस चक्कर में अभिभावक बच्चों को मोबाइल देते हैं जिनका गलत परिणाम होता है।

नीणा कौशिक
पढ़ाई और गेमिंग दो अलग चीजें हैं। ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान मुश्किलों में ऑनलाइन पढ़ाई काफी उपयोगी रही लेकिन गेमिंग दुनिया का सबसे बड़ा संकट है इससे बच्चों को बचाने के लिए कुछ निश्चित रूप से कम किए जाने चाहिए।

विक्रान्त पंडित
कोरोना काल की आपात स्थिति में जो भी बच्चे ऑनलाइन पढ़ें हैं उनको जीवन भर की लत लग गई है फोन की और उनमें से 70% बच्चों की आँखें अस्वस्थ हो चुकी हैं इसलिए ये व्यवस्था मेरी नजर में पूर्णतः गलत है।

सुदेश रायव
बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई नहीं कर पाते हैं बच्चे जब अपने सर के आगे नहीं पढ़ पाते हैं तो ऑनलाइन क्या पढ़ाई करेंगे।

रीचा सिंह मदीया
यह न तो नियमों के अनुरूप है और न ही सामाजिक मूल्यों के। गलत को नजरअंदाज करना, उसे सही ठहराने जैसा होता है। समय आ गया है कि जो अनुचित है, उस पर स्पष्ट 'न' कहा जाए।

विधु गर्ग एसीपीओ

बिल्कुल भी नहीं। ऑनलाइन पढ़ाई होने से बच्चों की आँखों पर तो प्रभाव पड़ता ही पड़ता है साथ-साथ आँखों की नुस्ती द्वारा मस्तिष्क पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है, जो की दुष्परिणाम देता है। बच्चों को इसकी लत लग जाती है जब लत लग जाती है तो बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ और ऐसी चीज देखते हैं चाहे वह वीडियो गेम देखा हो और या फिर कोई गलत कंटेंट देखा हो जो उन्हें नहीं देखना चाहिए यह धीरे-धीरे करके बच्चों में एक एडिक्शन बन जाता है और इस एडिक्शन की वजह से बच्चे घर से बाहर निकलना बंद कर देते हैं, स्क्रीन पर ही उलझे रहते हुए दुनिया, समाज में घुलना, समाजना बंद कर देते हैं, देखा जाए तो यह बहुत बड़ी गंभीर समस्या होने वाली है आज से 10 साल के बाद, यदि हम अभी नहीं जागे, तो आगे हमारा युवा हमारा बच्चा ग्रोथ नहीं कर पाएगा, सहज रूप से नहीं जी पाएगा और उनकी उम्र दिन पर दिन घटती चली जाएगी और बहुत सारी बीमारियाँ से वह ग्रस्त हो जाएगा वयस्कत्व में सोशल मीडिया की शुरुवात जो

केवल पढ़ाई से हुई थी अब धीरे धीरे सिर्फ वही आभासी दुनिया उसका जीवन बन विकट परिस्थितियों को जन्म देगा।

आकाश जैन

यह बच्चों की सेहत और शरीर की ग्रोथ को खराब कर रहा है आज कल बच्चे मोबाइल फोन के वायरस से घिरे जा रहे हैं मैं इसके समर्थन में नहीं हूँ

धीरज शर्मा

किसी भी कीमत पर नहीं होनी

पूजा सिंह

बिल्कुल नहीं सहमत नहीं इससे बच्चों में पागल पन शिकार हो रहे हैं बच्चों की भविष्य से खिलवाड़ हो रहा पढ़ाई के नाम पर

आनलाइन पढ़ाई पर खुल कर बहिष्कार करेंगे आनलाइन पढ़ाई पर रोक लगनी चाहिए। पहले आनलाइन पढ़ाई नहीं करते थे क्या स्कूल में अनपढ़ नहीं थे बड़े से बड़े स्तर पर इंजिनियर मैनेजर जज कौन सा अधिकारी बने सभी पदों पर रहे बच्चों के जिंदगी से खिलवाड़ हो रहा है।

प्रदीप ठाकुर

जो बच्चे वलासेस एम बैठ कर नहीं पढ़ते भैया वो ऑनलाइन किया पढ़ाई करोगे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है और कुछ नहीं।

मोहित नागर

मैं इस बात से सहमत नहीं हूँ, छोटे बच्चों को मोबाइल से दूर रखा जाए, मोबाइल की लत बच्चों का भविष्य व बचपन दोनों उनसे छीन रही हैं।

अशोक संत

नहीं नहीं

बाबा खान

अब इसकी कोई जरूरत नहीं ऑनलाइन क्लास से ही बच्चों का मोबाइल पर रुझान बढ़ा है इसलिए बच्चे मोबाइल के आदि हो गये।

नकुल अरोरा

मैं छोटे बच्चों की मोबाइल फोन के माध्यम से होने वाली पढ़ाई से पूर्णतः सहमत नहीं हूँ। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना भी है। मोबाइल पर अधिक समय बिताने से बच्चों की आँखों पर बुरा प्रभाव पड़ता है, उनकी एकाग्रता कम होती है और शारीरिक गतिविधियाँ लगभग समाप्त हो जाती हैं।

सिमरन रंधावा

कोरोना काल के बाद से मोबाइल का उपयोग बच्चों की पढ़ाई में तेजी से बढ़ गया है। ऑनलाइन कक्षाएँ और होमवर्क मोबाइल पर भेजने की सुविधा ने बच्चों को मोबाइल के करीब ला दिया है। लेकिन क्या यह जरूरी है? आइए इसके फायदे और नुकसान पर नजर डालें मोबाइल ने ऑनलाइन शिक्षा को संभव बनाया है, जिससे बच्चे घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा से बच्चे अपने अनुकूल परिवेश में पढ़ाई कर सकते हैं। मोबाइल के माध्यम से बच्चे विभिन्न शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा से समय और पैसे की बचत होती है। मोबाइल का अधिक उपयोग एकाग्रता को प्रभावित करता है मोबाइल पर अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग हो सकता है अब सवाल यह है कि क्या मोबाइल का उपयोग पढ़ाई में जरूरी है? इसका जवाब है कि यह आवश्यक नहीं है, लेकिन इसका उपयोग संयम और सही तरीके से किया जा सकता है।

प्रवीण बात्रा

आज के दौर में ये बहुत जरूरी हो गया है, बस छोटे बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई के लिए एक शर्त रखी जानी चाहिए की फोन माता या पिता का होना चाहिए उसी पर पढ़ाया जाना चाहिए अगर जिस बच्चे के लिए ये संयम न हो तो माता या पिता की निगरानी में पढ़ाई होनी चाहिए, और उसके बाद माता पिता को फोन हैडओवर होना चाहिए। हर चीज के अच्छे और बुरे परिणाम होते हैं लेकिन बस आप को ये देखना है की बुरे परिणाम से कैसे बचा जा सकता है, क्योंकि समय की मांग और रफ़्तार को कम करके हम अपने बाले भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते बस शर्त ये ही है मां बाप इस बात की जिम्मेदारी को सही से समझे उस से पल्ला न झाड़ें।

रजनी धौडियाल जोशी

परिवार बच्चे की प्रथम पाठशाला है।

बबलर सिंह चौहान

मोबाइल कोई खास जरूरत नहीं कम से कम हाईस्कूल तक तो।

शिवानी जैन

छोटे बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई बस केवल विकल्प है, उस समय के लिए जब किन्हीं भी कारणों से स्कूल बंद हो जाते हैं। चाहे कावड यात्रा हो, बहुत सदी हो या फिर बहुत गर्मी। फरवरी के तहत कम से कम सालाना 210 दिन की क्लास होना अनिवार्य है और यदि इसमें सत्यता देखी जाए तो गर्मियों की छुट्टियाँ, सूर्योदय की छुट्टियाँ, दिवाली की छुट्टियाँ, होली की छुट्टियाँ, शनिवार - एतवार मिलाकर 210 दिन शिक्षा ग्रहण करना असंभव है। ऐसे में यदि कोई विकल्प है तो वो सिर्फ ऑनलाइन परतु इसका सही से उपयोग हो इसके लिए स्कूलों को निर्देशित किया जाए कि वो सभी बच्चों को स्कूल द्वारा एक गैजेट दे जिस पर सिया स्कूल क्लास के और कोई भी एप्लिकेशन खुल न सके। इसमें बच्चे का कोई भी गेम खेलना असंभव हो जाएगा और अभिभावक भी संतुष्ट रहेंगे कि बच्चा

ऑनलाइन कुछ गलतसंगत में नहीं पड़ा है।

तनुज गंगीर एसीपीओ

यह सिस्टम कोरोना कालों में बच्चों की पढ़ाई ना छूटे इसलिए शुरूआत की गई थी परंतु अब जब कोरोना काल खत्म हो चुका है। आज भी इसी के सहारे बच्चों को मोबाइल की लत लग चुकी है सभी स्कूलों में क्लाटसएप ग्रुप बने हुए हैं उसी में ही होमवर्क भेज दिया जाता है उसी में आगे के लिए बच्चों की वर्कशीट भेज दी जाती है। स्कूल प्रशासन अपनी जिम्मेदारी को क्लाटसएप पर मैसेज डाल देते हैं। इस पर पूर्ण तरीके से रोक लगनी चाहिए कक्षा 12वीं तक समस्त क्लासेस सिर्फ पाठ्यक्रम किताबों के माध्यम से होना चाहिए ना कि मोबाइल के माध्यम से मैं आपके अखबार के माध्यम से शिक्षा मंत्री को अनुरोध करता हूँ की पाठ्यक्रम को लागू करें सिर्फ किताब और स्कूल पर ना कि मोबाइल पर।

मनीष चौधरी कालीरमन

बिल्कुल भी नहीं मतलब है

नमित

सहमत नहीं ... इसके लिए शासन की ओर से आदेश जारी होना चाहिए।

अनुपम शर्मा

बिल्कुल नहीं ऑनलाइन कोई पढ़ाई होती है वह तो एक खाना पुति है।

नीरज गौराल

किसी भी चीज की अधिकता खतरनाक व नुकसानदायक होती है। मोबाइल या इंटरनेट वरदान की तरह है लेकिन उस का गलत उपयोग निसंदेह खतरनाक होगा।

कंवरपाल मलिक

सहमत नहीं, कृपया टीनएजर्स और छोटे बच्चों को फोन देने से बचें।

अली खान

छोटे बच्चों की मोबाइल फोन से होने वाली पढ़ाई से पूर्णतः सहमत नहीं हूँ। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करना भी है। भारत सरकार इसको बंद करे। बच्चे स्कूल जाकर पढ़ाई करे बहुत अच्छा रहेगा। बच्चे में बच्चा घुल मिल जाता है। बच्चे को टेंशन नहीं होती है। मोबाइल पर अधिक समय बिताने से बच्चों की आँखों पर बुरा प्रभाव पड़ता है और बच्चे की आँखें खराब होने का खतरा रहता है। फिर बच्चे को मोबाइल की आदत लग जाती है।

विनोद कर्दम

क्लास 8 तक के छोटे बच्चों को मोबाइल पर होमवर्क देने पर सरकार दुआरा रोक लगा नी चाहिए उन्हें स्कूल कॉपी में ही होम देना चाहिए पढ़ाई मोबाइल पर होगी तो स्कूल की क्या जरूरत है कम से कम होम वर्क दिया जाये जिस से उन पर अनवश्यक मानसिक दबाव न बने कोई अप्रिय घटना न घटे।

सर्ब

बिल्कुल भी ठीक नहीं

सुदर्श अग्रवाल

छोटे बच्चों की पढ़ाई मोबाइल फोन के माध्यम से कराना मुझे बिल्कुल नहीं पसंद है।

उचित नहीं लगती।

मोबाइल से बच्चे पढ़ाई से ज्यादा खेल, वीडियो और गलत आदतों की ओर आकर्षित हो जाते हैं। इससे उनकी आँखों पर असर पड़ता है और मानसिक विकास भी प्रभावित होता है। मेरी राय में बच्चों की शिक्षा प्रत्यक्ष रूप से, गुरु-शिष्य परंपरा और विद्यालय में होना ही सबसे बेहतर है। इसलिए मैं छोटे बच्चों की ऑनलाइन (मोबाइल) पढ़ाई से बिल्कुल भी सहमत नहीं हूँ।

बिरजू पंडित

बिल्कुल नहीं

आशीष चौधरीवाल

ये जवाबदेही सरकार की है, शिक्षा मंत्रालय ने इस विषय की ओर आँखें मूंद रखी हैं।

गब्बर सिंह

ये बंद होना चाहिए।

नरेश कश्यप

मोबाइल ठीक नहीं है।

मृषण शर्मा

बिल्कुल बेकार

नमित रोशन लाल जैन

ऑनलाइन पढ़ाई लैपटॉप या पीसी पर भी हो सकती है, उसके दो फायदे हैं बच्चा बैठ कर पढ़ेगा और दूसरा मोबाइल एडिक्शन भी काम होगा।

मृपेन्द्र सिंह रावत

सब देखने देखने का नजरिया है। आज जब किन्हीं कारणों से स्कूलों की छुट्टी होती है तो ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जाता है। आजकल स्कूलों की छुट्टियाँ कभी ज्यादा ठंड के कारण, कभी बढ़ते प्रदूषण के कारण तो कभी कावड यात्रा जैसे धार्मिक यात्राओं की वजह से होती रहती हैं। ऐसे समय में बच्चों की पढ़ाई का नुकसान ना हो इसलिए ऑनलाइन पढ़ाई कराई जाती है। क्या सिर्फ ऑनलाइन पढ़ाई बंद करने से बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल बंद कर देंगे। अगर ऐसा है तो ऑनलाइन पढ़ाई बिल्कुल बंद हो जानी चाहिए परन्तु ऐसा नहीं होगा। आज मोबाइल के इस्तेमाल के लिए बच्चे जितना दोषी हैं उससे अधिक दोषी वो अभिभावक हैं जो दिन भर फोन पर ही रहते हैं। हर वस्तु के फायदे नुकसान दोनों होते हैं। ये निर्भर इस्तेमाल करने वाले पर करता है कि वो उसका इस्तेमाल कैसे कर रहा है। आज कुछ लोग मोबाइल का इस्तेमाल सिर्फ राजनीतिक बहस करने के लिए, रील बनाने के लिए कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर कुछ लोग मोबाइल का इस्तेमाल लोगों को जागरूक करने के लिए, समस्याओं

का समाधान करने के लिए और जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए कर रहे हैं। कुछ बच्चों द्वारा सिर्फ यूट्यूब के माध्यम से ही बड़े से बड़े एजमा पास किए जा रहे हैं। निर्भर करता है हमारी सोच और इस्तेमाल पर।

उषा चौधरी

सहमत नहीं है, क्योंकि बच्चों को जब से ऑनलाइन क्लासेस दी जा रही हैं बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है जिससे उनकी आँखों और मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

अशु कुमार वर्मा

नहीं।

नितिन पंडित

खत्म होना चाहिए।

रविंद्र चौधरी

ऑनलाइन क्लास नहीं होनी चाहिए पहले भी तो बच्चे पढ़ते थे पढ़ाई नहीं बच्चों को दसवीं क्लास तक मोबाइल नहीं दिलाया चाहिए।

राहुल शर्मा

बहुत गलत है ये।

गौरव शर्मा

0 प्रतिशत

सुषमा नागर

बिल्कुल ठीक नहीं

विवेक तोमर

बिल्कुल सहमत नहीं है भाई।

सोनु माटी

नहीं

सीए विजय कुमार शर्मा

मेरे बच्चे 12 एवं 16 साल के हैं।

कोविड में भी मोबाइल फोन डायरेक्ट उसे नहीं करने देता था मोबाइल को स्मार्ट टीवी से लिंक कर देता हूँ स्क्रीन साइज भी लाज और मोबाइल की आदत भी नहीं लगी और टीवी को अपने इमेल आईडी से लॉगिन रखें सारी ब्राउजिंग हिस्ट्री आप कि पास होती है। स्पॉट में बच्चे को एक्टिव रखता हूँ उसकी एनर्जी स्पॉटर्स में न्यूट्रलाइज्ड होती है बच्चे हैल्थी और एक्टिव भी है।

गौरव बंसल

बिल्कुल सहमत नहीं हूँ।

मौ. युनूस कुरेशी

बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई से तो सहमत हूँ लेकिन उसके लिए एक दिशा निर्देश होना चाहिए कि बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई अभिभावकों के समक्ष होनी चाहिए बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई की समय सीमा कम हो।

कृष्ण पाल टुन्गू

बिल्कुल भी सहमत नहीं हूँ

हिमांशु लव शर्मा

छोटे बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई करना न्याय संगत नहीं है।

सिरानुद्दीन हौषी

बिल्कुल नहीं पढ़ाई केवल ऑफलाइन होनी चाहिए।

एडवोकेट विपिन सैनी

बिल्कुल भी नहीं

कुपाल चौधरी

एक दम बंद होनी चाहिए सरकार को इसके लिए कानून बनाना चाहिए।

विजय कांत निवार

नहीं होनी चाहिए।

जौनी जैनवाल

ऑनलाइन की क्या जरूरत है और ऑनलाइन ही पढ़ना है तो स्कूल बंद कर दीजिए फालतू की चीज देख-देख कर बच्चों का दिमाग भी ज्यादा चलता है।

मयंक शर्मा

आज के दौर में ये एक जरूरत बन गई है पर वही दूसरी ओर हम बच्चों को मारिक्टा और आँखों की गम्भीर बीमारी भी दे रहे हैं।

नीरज वाल्मीकि

स्कूल ने पढ़ाई के नाम पर ऑनलाइन क्लासेज देकर बच्चों का भविष्य खराब करने का काम किया है क्योंकि पढ़ाई तो केवल स्कूल में और विद्यालय में होती है लेकिन ऑनलाइन पढ़ाई से बच्चों का ध्यान सिर्फ और सिर्फ सोशल मीडिया पर और फोन पर रहा है पढ़ाई पर नहीं।

शोकेत कुरेशी

किसी भी तरह से दुनिया की जनसंख्या कम करनी है।

रामिद अहमद

अगर ऑनलाइन पढ़ाई की जरूरत है तो फिर स्कूल को बंद करा देना चाहिए। पढ़ाई के नाम पर स्कूल वाले पता नहीं किस किस चीज के चार्ज लगाकर पैसे वसुले जा रहे हैं।

कृष्ण त्यागी

छोटे बच्चों की पढ़ाई वह भी

ऑनलाइन, यह किसी भी सूरत में सही नहीं है।

नसीम खान

बिल्कुल भी नहीं, ये वो खतरनाक हथियार है कि बिना आवाज किए बच्चों की जान ले सकता है और गाजियाबाद इसका बड़ा उदाहरण रहा है।

अमित राज उपाध्याय

0 प्रतिशत

सतीश बैसला

0 प्रतिशत

चौधरी जी

मोबाइल नहीं

महिपाल सिंह रावत

आज के समय में बहुत से स्कूल और संस्थान छोटे बच्चों के लिए ऑनलाइन क्लासेस पर जोर दे रहे हैं। लेकिन इसके दुष्परिणाम साफ दिखाई देने लगे हैं। जिन बच्चों के हाथों में कम उम्र में मोबाइल आ जाता है, उनमें कई तरह की समस्याएँ देखने को मिल रही हैं, आँखों की कमजोरी, लगातार गेम खेलने की आदत, चिड़चिड़ापन, और समाज से दूरी। मोबाइल पढ़ाई का साधन कम और ध्यान भटकाने का माध्यम ज्यादा बनता जा रहा है। इसलिए जरूरी है कि अभिभावक और स्कूल दोनों मिलकर इस पर गंभीरता से विचार करें। छोटे बच्चों की पढ़ाई अधिक से अधिक ऑफलाइन, किताबी और वास्तविक गतिविधियों के माध्यम से होनी चाहिए, ताकि उनका शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास सही तरीके से हो सके। आइए, बच्चों का बचपन स्क्रीन में नहीं, संस्कारों और अनुभवों में ढालें।

रवि अग्रवाल

छटी क्लास से कम बच्चों को मोबाइल के होमवर्क नहीं मिलना चाहिए।

विनीता पाल

ऑनलाइन पढ़ाई का बच्चों पर बहुत ही बुरा असर नहीं है। कृपया बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें उनकी स्कूल भर्जे, बच्चों के साथ बैठकर होमवर्क करायें।

सोनु कुमार कश्यप

बिल्कुल नहीं।

अमित गुर्जर बगवु

बिल्कुल नहीं।

दीपक कुमार

बिल्कुल नहीं।

संजीव जांगड

नाश की जड़ है बच्चों के हाथ में मोबाइल।



संपादकीय

शुचिता पर भारी रेवड़ियां

देश में चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक दलों की ओर से मतदाताओं को रिश्ताने के लिए जिस तरह मुफ्त तोहफों या उपहारों की राजनीति की जा रही है, उसने एक तरह से नतीजों की शुचिता को कसौटी पर रख दिया है। भारतीय राजनीति में पिछले कई वर्षों से यह प्रवृत्ति जटिल होती गई है। हालांकि इस मसले पर सवाल भी उठे हैं और मुफ्त तोहफों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने को लोकतंत्र के लिए एक घातक चलन बताया गया है। विडंबना यह है कि लगभग सभी राजनीतिक दल इस प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हैं, लेकिन मौका मिलने पर वे भी इसी तरीके को एक औजार की तरह इस्तेमाल करते हैं। खासतौर पर जो दल या गठबंधन सत्ता में होते हैं, वे वादों या घोषणाओं के साथ-साथ चुनावों के ठीक पहले कोई योजना या कार्यक्रम लागू करने के जरिए भी मतदाताओं को लाभ पहुंचाने की कोशिश करते हैं। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट ने भी मुफ्त उपहारों को भारतीय राजनीति में एक घातक प्रवृत्ति बताया है, लेकिन इस पर रोक को लेकर अब तक कोई ठोस नियमन सामने नहीं आ सका है। यही वजह है कि आज राजनीतिक दलों के बीच एक तरह की होड़ देखी जाती है कि वोटर हासिल करने के लिए मतदाताओं को कौन कितना ज्यादा लाभ पहुंचाने की घोषणा करेगा। नतीजतन, स्वच्छ चुनाव और विवादरहित नतीजे आज एक सदिच्छा की तरह लगने लगे हैं। राजनीतिक दलों से यह उम्मीद करना मुश्किल हो गया लगता है कि इस दिशा में वे अपनी ओर से कोई ऐसी पहल करेंगे, जो चुनावी जीत के लिए मुफ्त की रेवड़ियों के चलन पर रोक लगाए। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस मसले पर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है। तो इससे एक बार फिर मुफ्त की चुनावी रेवड़ियों पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है। गौरतलब है कि करीब चार साल पहले सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने केंद्र और निर्वाचन आयोग से उस याचिका पर जवाब मांगा था, जिसमें चुनाव से पहले दलगत/कैबिनेट मुफ्त उपहार की घोषणा या इसे वितरित करने वाली राजनीतिक पार्टी का चुनाव चिह्न जब्त या उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। उस समय पीठ ने इसे गंभीर मुद्दा करार दिया था और कहा था कि कभी-कभी मुफ्त उपहार योजना का बजट नियमित बजट से अधिक हो जाता है। सवाल है कि अगर कोई मतदाता मुफ्त की सौगात दिए जाने के अंतर में किसी उम्मीदवार को वोट देता है, तो क्या यह एक तरह की सौदेबाजी नहीं करी जाएगी? अगर कोई सलाहगार पार्टी चुनावों के ठीक पहले किसी योजना या कार्यक्रम के जरिए मतदाताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाती है, तो उसकी जीत को कितना निश्चय माना जाएगा? दिनोंदिन बढ़ती मुफ्त उपहारों की राजनीति के बीच होने वाले चुनावों को किस हद तक स्वच्छ और स्वतंत्र कहा जाएगा? अफसोस की बात यह है कि लंबे समय से इस पर सवाल उठने के बावजूद अब तक इस दिशा में ऐसा कानून जमीन पर नहीं दिखता है।

अमेरिका डील के बाद भारत रूसी तेल आयात घटाने की तैयारी में



नई दिल्ली। अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के बाद भारत अब रूस से कच्चा तेल खरीदना धीरे-धीरे कम कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिका के भारत पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ को हटाने के बाद केंद्र सरकार इस पर योजना बना रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को इस संबंध में एकजीव्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए और कहा कि भारत की रूसी तेल आयात रोकने की प्रतिबद्धता के बाद यह कदम उठाया गया है। हालांकि, यह आयात नागरा एनर्जी जैसी कुछ रिफाइनरियों के पास दूसरे विकल्प सीमित होने के कारण अभी पूरी तरह बंद नहीं होगा।

नागरा एनर्जी को छूट की जरूरत : इस पूरी व्यवस्था में नागरा एनर्जी अपवाद बनकर सामने आ रही है। नागरा पर पहले यूरोपीय संघ और फिर ब्रिटेन ने रूस से संबंधों को लेकर प्रतिबंध लगाए थे। कंपनी ने रूस की रोजनेफ्ट की 49.13 फीसदी हिस्सेदारी है। इन प्रतिबंधों की वजह से कोई और बड़ा सप्तावर नागरा से व्यापार करने को तैयार नहीं है, इसलिए कंपनी को गैर-प्रतिबंधित रूसी कंपनियों से ही तेल खरीदना पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस खास स्थिति की जानकारी दिसंबर में अमेरिकी व्यापार अधिकारियों को दी गई थी। ऐसे में नागरा को रूस से तेल न खरीदने की नीति से छूट या विशेष व्यवस्था दी जा सकती है।

रूस से आयात पहले ही घट रहा : सूत्रों ने बताया कि अमेरिका द्वारा रोजनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से भारत का रूस से तेल आयात पहले ही घट रहा है।

रिफाइनरियों को दिए गए अनौपचारिक आदेश

सूत्रों के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों को अभी तक रूस से तेल खरीद पूरी तरह रोकने का कोई औपचारिक आदेश नहीं मिला है, लेकिन अनौपचारिक तौर पर खरीद कम करने को कह दिया गया है। आमतौर पर तेल के ऑर्डर 6 से 8 हफ्ते पहले दिए जाते हैं, इसलिए पहले से तय सौदों को पूरा किया जाएगा, लेकिन नए ऑर्डर नहीं दिए जाएंगे। हिंदुस्तान पेट्रोलियम, मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और लड्डो-मिल एनर्जी जैसी कंपनियों ने भारत अमेरिका डील के बाद से ही रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया है। वहीं, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम (इड्रॉल) अब धीरे-धीरे अपनी खरीद घटा रही है। देश की सबसे बड़ी खरीदार रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी पिछले साल रोजनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद खरीद रोक दी थी। हालांकि, 1.5 लाख बैरल का एक खप दोबारा शुरू की गई थी, जिसकी डिलीवरी अगले कुछ हफ्तों में होगी है। इसके बाद रिलायंस के भी पूरी तरह खरीद बंद करने की संभावना है।

दिसंबर 2025 में औसतन आयात 12 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो मई 2023 में 21 लाख बैरल प्रतिदिन के शिखर स्तर से काफी कम है। जनवरी में यह घटकर 11 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। अनुमान है कि फरवरी या मार्च में यह 10 लाख बैरल प्रतिदिन से भी नीचे जा सकता है। अमेरिका के साथ नए समझौते के बाद इसमें आधी तक गिरावट आ सकती है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का करीब 90 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के चलते रूस ने तेल सस्ते दामों पर बेचा, जिससे भारत को आयात बिल कम करने में मदद मिली।

विशेषज्ञों ने क्या कहा ? केपलर के लीडर रिचर्ड एनालिटिक्स सुमित रिटोलिया का कहना है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से निकट भविष्य में रूस से तेल आयात में बड़ी गिरावट नहीं आएगी। उनके मुताबिक, अगले 8 से 10 हफ्तों तक रूसी तेल की सप्लाई पहले से तय है। यह भारत की जटिल रिफाइनिंग प्रणाली के लिए आर्थिक रूप से अहम है। पहली तिमाही और दूसरी तिमाही की शुरूआत तक आयात 11 से 13 लाख बैरल प्रतिदिन के बीच बना रह सकता है।

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता विकास को देगा नई रफ्तार: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता भारत के तेजी से बढ़ते विकास के इंजन को नयी ताकत प्रदान करेगा। अमित शाह ने एकसमय नई दिल्ली, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को हकीकत में बदलते हुए, यह समझौता मेक इन इंडिया, मेहनती किसानों, उद्यमियों, एमएनएमडी, स्टार्टअप क्षेत्र के नए प्रयोगकर्ताओं और मछुआरों के लिए बड़ी तरक्की के द्वार खोलता है। साथ ही, यह युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा करेगा। उन्होंने कहा, इस ऐतिहासिक समझौते के लिए मोदी जी का हार्दिक आभार और भारत के प्रत्येक नागरिक को बधाई। भारत और अमेरिका ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढाँचे को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत दोनों देश आपसी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क में कटौती करेंगे। एक संयुक्त बयान के अनुसार, यह ढाँचा दोनों देशों के व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दोहराता है। इस वार्ता की शुरूआत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 फरवरी, 2025 को की

और मछुआरों के लिए बड़ी तरक्की के द्वार खोलता है। साथ ही, यह युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा करेगा। उन्होंने कहा, इस ऐतिहासिक समझौते के लिए मोदी जी का हार्दिक आभार और भारत के प्रत्येक नागरिक को बधाई। भारत और अमेरिका ने शनिवार को घोषणा की कि उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के ढाँचे को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत दोनों देश आपसी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए कई वस्तुओं पर आयात शुल्क में कटौती करेंगे। एक संयुक्त बयान के अनुसार, यह ढाँचा दोनों देशों के व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दोहराता है। इस वार्ता की शुरूआत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 फरवरी, 2025 को की



रोचक तथ्यों का करंट

- क्या आप जानते हैं ? भारत में पहली मोशन पिक्चर 'द रेसलर्स' थी जिसे साल 1899 में एक चित्रकार फोटोग्राफर ने हरिश्चंद्र सरखाराम भट्टावडेकर कहा था।
- आमिर खान की फिल्म 'लगान' में बॉलीवुड सिनेमा के इतिहास में एक भी फिल्म में कभी भी इतने ज्यादा ब्रिटिश अभिनेताओं द्वारा भूमिका नहीं निभाई गई थी।
- जब धर्मंदर पहली बार फिल्म उद्योग में शामिल हुए थे, तो उनका वेतन केवल 51 रुपये का मामूली योग था।
- क्या आप जानते हैं ? साल 1936 में अभिनेता बनने से पहले अशोक कुमार बॉम्बे टॉकीज में एक प्रयोगशाला सहायक थे।
- वहीदा रहमान ने अमिताभ बच्चन की माँ और प्रेमी दोनों का किरदार निभाया है। उन्होंने प्रेमिका का किरदार फिल्म 'अदालत' (1976) और माँ का किरदार फिल्म 'त्रिशूल' (1978) में निभाया था।
- फिल्म स्लमडॉग मिलियेनयर में अनिल कपूर की भूमिका के लिए शाहरुख खान पहली पसंद थे।
- राज टाकरे साल 2005 में अमिताभ बच्चन के साथ एक फिल्म बनाना चाहते थे।

118 अरब डॉलर के अमेरिकी बाजार का दरवाजा खुला भारतीय वस्त्र उद्योग को बड़ा मौका

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के नए व्यापार समझौते से भारतीय वस्त्र उद्योग को बड़ा फायदा मिलने का रहा है। 118 अरब डॉलर के अमेरिकी आयात बाजार तक पहुंच आसान होगी। जवाबी शुल्क घटने से भारतीय उत्पाद सस्ते और प्रतिस्पर्धी बनेंगे। परिधान, फुटवियर और रसायन जैसे क्षेत्रों को भी बढ़ावा मिलेगा।

भारत और अमेरिका के बीच हुए नए व्यापार समझौते ने भारतीय वस्त्र उद्योग के लिए बड़ा अवसर खोल दिया है। इस समझौते के बाद अमेरिका का 118 अरब डॉलर का आयात बाजार भारतीय कपड़ा और परिधान क्षेत्र के लिए ज्यादा सुलभ हो जाएगा। सरकार ने इसे निर्यात, निवेश और रोजगार बढ़ाने की दिशा में अहम कदम बताया है।

अमेरिका पहले से ही भारत के वस्त्र निर्यात का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। वस्त्र मंत्रालय के मुताबिक इस समझौते से भारतीय वस्त्र और परिधान उत्पादों पर लगने वाला 18 प्रतिशत जवाबी शुल्क घटेगा।

इससे भारतीय निर्यातकों को कीमत में मामूले में सीधा फायदा मिलेगा। सूत्रों ने बताया कि अमेरिका द्वारा रोजनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से भारत का रूस से तेल आयात पहले ही घट रहा है।

मंत्रालय का कहना है कि अब भारत की स्थिति बांग्लादेश, चीन, पाकिस्तान और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में मजबूत होगी। बड़े अंतरराष्ट्रीय खरीदार भी अब अपनी खरीद रणनीति में भारत को प्राथमिकता दे सकते हैं।

भारतीय निर्यात को मिलेगा सीधा लाभ : सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका को भारत का मौजूदा वस्त्र निर्यात करीब 10.5 अरब डॉलर का है। इसमें लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा परिधान और करीब 15 प्रतिशत मेड-अप का है। शुल्क घटने से भारतीय उत्पाद सस्ते और प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

लगातार 5वें माह विश्व खाद्य कीमतें गिरीं चावल की महंगाई बनी चुनौती, डेयरी में करीब पांच प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की एफएओ रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 में वैश्विक खाद्य कीमतों में लगातार पांचवें महीने गिरावट दर्ज हुई। दूध, चीनी और मांस सस्ते हुए हैं, जिससे महंगाई के दबाव में कुछ राहत के संकेत मिले हैं। हालांकि चावल और वनस्पति तेल की कीमतों में बढ़ी हैं।

भारत सहित दुनिया भर में महंगाई से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए जनवरी 2026 ने कुछ राहत के संकेत दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक खाद्य कीमतों में लगातार पांचवें महीने गिरावट दर्ज की गई है। दूध, चीनी और मांस जैसे जरूरी उत्पादों के सस्ते होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी आई है, हालांकि चावल और वनस्पति तेल की बढ़ती कीमतें अब भी चिंता का कारण बनी हुई हैं।

एफएओ का फूड प्राइस इंडेक्स, जो दुनिया भर में कारोबार होने वाले प्रमुख खाद्य उत्पादों की मासिक कीमतों में बदलाव को दर्शाता है, जनवरी 2026 में औसतन 123.9 अंक पर रहा। यह दिसंबर 2025 की तुलना में 0.4 फीसदी कम और पिछले साल की समान अवधि से 0.6 फीसदी नीचे है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुल मिलाकर वैश्विक बाजार में राहत के संकेत हैं, लेकिन कुछ जरूरी वस्तुओं की महंगाई आने वाले महीनों में चुनौती बन सकती है। जनवरी में अनाज की कीमतों में दिसंबर 2025 की तुलना में मामूली



जनवरी में चावल की कीमतों में 1.8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। खास तौर पर खुशबूदार किस्मों की मांग बढ़ने से बाजार में मजबूती आई।

भारत के लिए क्या मायने ? वैश्विक स्तर पर दूध, चीनी और मांस की कीमतों में लगातार गिरावट भारत के लिए दोहरी राहत लेकर आ सकती है। इससे आयातित खाद्य उत्पादों की लागत कम होने की संभावना है। चीनी उत्पादन में भारत की बड़ी वृद्धि से घरेलू आपूर्ति मजबूत रहने और निर्यात संभावनाएं बढ़ने के संकेत हैं। इसका लाभ किसानों, चीनी मिलों को हो सकता है। हालांकि चावल, वनस्पति तेल चुनौती में हैं।

भारत-थाईलैंड में चीनी के उत्पादन में वृद्धि के संकेत : एफएओ के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2026 में चीनी मूल्य सूचकांक में 1% की गिरावट रही।

राशिफल

मेघ : आज का दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। कोई जरूरी काम आज टाइम से पूरा हो जायेगा। आज किसी जरूरतमंद की मदद करने में सकोच न करें।

वृष : आज आपके दिमाग में मनोरंजन की बात छाई रहेगी। आगे कदम बढ़ाएं और आपने दोस्तों और परिवार जनों के साथ मिल कर कुछ खास करें।

मिथुन : कार्य स्थल पर नवीन समीकरणों के चलते आप पूरे समय व्यस्त रहेंगे। कुछ रुकी हुई परियोजनाएं अब प्रगति कर सकती है।

कर्क : आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। मिगेटिव थॉट्स को आज दिमाग में न आने दें। धनलाभ का योग बन रहा है, साथ ही खर्चों में भी झुकाव होने वाला है।

सिंह : आज दिन की शुरुआत में कुछ रुकावटें आ सकती हैं। सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आज आपको आर्थिक योजना में लाभ मिलेगा।

कन्या : कुछ लोगों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने साहस और सगति कार्य के बल पर आप आसानी से उन पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।

तुला : कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। आपकी समझ और विनम्रता से लोग काफी प्रभावित होंगे।

वृश्चिक : आज आपका कोई खुश विरोधी आपको गलत साबित करने की पुरजोर कोशिश करेगा। आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु : आज के दिन आप में से कुछ की इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। व्यवस्थित रूप से कार्य करने पर चीजें आपको आगे बढ़ाएंगी।

मकर : किस्मत का साथ मिलेगा। छोटे-मोटे धनलाभ होते रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें। इस राशि के टीचर का आज ट्रांसफर किसी ऐसी जगह हो सकता है।

कुंभ : ईश्वर के स्मरण में बीतेगा। धार्मिक कार्य में आप व्यस्त रहेंगे। नौकरी-व्यवसाय में अनुकूल परिस्थिति रहेगी। आज आपका हर कार्य सरलता से पूर्ण होगा।

मीन : आज आपको मिले-जुले परिणाम मिलेंगे, लेकिन अंततः चीजें आपके पक्ष में और आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी। पूर्वार्ध में थोड़ा निराश हो सकते हैं।

चुटकुले

टीचर: पप्पू बताओ "Homework" क्यों जरूरी है ?

पप्पू: ताकि पता चले टीचर: क्या ?

पप्पू: कितना कुछ नहीं आता !

पत्नी: सुनो जी, मैं कुछ बोली ?

पति: बोलो।

पत्नी: रहने दो।

पति: बस... अब नींद भी डर के मारे भाग गई !

दोस्त: भाई, आजकल बहुत शांत है।

गोल्: हॉयार।

दोस्त: वजह ?

गोल्: मोबाइल की बैटरी 5% है !

बॉस: ये काम कब पूरा होगा ?

कर्मचारी: सर, लगभग हो गया है।

बॉस: मतलब ?

कर्मचारी: मतलब शुरु करने वाला हूँ !

09 02 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

उदित गौस्वामी (अभिनेत्री)

रणवीर सिंह, विकास सिंह चौहान, नरेश खन्ना, विजय शारत्री, प्रदीप कंसल, विकास त्यागी

अर्यवीर कछड़, आर्यन राठौड़, मृगांका सिंह, प्रियंका पाठक, अनिल कुमार

संजय तिवारी (वॉरर एक्टर), गौरव बंसल, अक्षय अहुजा, अतुल गुप्ता, डॉ. अरुण त्यागी

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।

Email : currentcrimenews@gmail.com

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 9899655497

Email: currentcrimenews@gmail.com

Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपावकार कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I.NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार, समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद

मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)

8630290003 (विष्णु गुप्ता)



वॉशिंगटन सुंदर कब टीम से जुड़ेगे कप्तान सूर्यकुमार ने दी जानकारी

मुंबई। अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले मैच में वॉशिंगटन सुंदर नहीं खेले थे। अब सूर्यकुमार ने बताया है कि वह ऑलराउंडर कब भारतीय टीम के साथ जुड़ेगा।

भारत ने अमेरिका के खिलाफ जीत दर्ज कर टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। इस जीत के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को लेकर जानकारी दी है। सुंदर पहले मैच में नहीं खेले थे और सूर्यकुमार ने बताया कि वह 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ नई दिल्ली में होने वाले मैच से पहले भारतीय टीम के साथ जुड़ेगा।

वॉशिंगटन को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान चोट लगी थी और वह टी20 सीरीज में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। वॉशिंगटन ने



रिहब प्रक्रिया पूरी कर ली थी और उन्हें मैदान पर वापसी के लिए हरी झंडी भी मिल गई थी।

अभिषेक भी थे बीमार

मैच के बाद सूर्यकुमार ने कहा, 'वॉशिंगटन सुंदर फिट हैं और वह सीधे दिल्ली में टीम से जुड़ेगे जहां भारत को

अमेरिका को 29 रनों से हराया

भारत ने टी20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में अमेरिका को 29 रन से हराकर शानदार आगाज किया है। शनिवार को वानखेड़े में खेले गए ग्रुप मुकाबले में टीम हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की नाबाद 84 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में नौ विकेट पर 161 रन बनाए। जवाब में अमेरिका निर्राश्रित ओवरों में आठ विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।



नामीबिया के खिलाफ मैच खेलना है। सूर्यकुमार ने साथ ही पुष्टि की है कि जसप्रीत बुमराह को तेज बुखार था और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तबीयत भी पूरी तरह ठीक नहीं थी। अभिषेक फील्डिंग के लिए मैदान पर नहीं उतरे थे और उनकी जगह संजू सैमसन ने फील्डिंग की थी।

अमेरिका के खिलाफ खराब रही बल्लेबाजी

अमेरिका के खिलाफ भारत की बल्लेबाजी बेहद खराब रही और सूर्यकुमार के अलावा टीम का कोई बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं बना सका। पिछले कुछ दिनों से भारत मजबूत बल्लेबाजी कर रहा था, लेकिन विश्व कप के पहले ही मैच में टीम का बल्लेबाजी में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। हालांकि, सूर्यकुमार की अर्धशतकीय पारी के बदौलत भारत चुनौतीपूर्ण लक्ष्य देने में सफल रहा और टीम को जीत मिली। सूर्यकुमार ने कहा, हम हर बात को नजर अंदाज नहीं कर सकते, हमें बल्लेबाजी में और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। जीत के बाद भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। हम और बेहतर और समझदारी से बल्लेबाजी कर सकते थे।

लवलीना-अरुंधति की अगुआई में भारत का जलवा, बॉक्सम एलीट में नौ स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली। लवलीना बोरगोहेन और अरुंधति चौधरी के नेतृत्व में भारत ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ स्वर्ण पदक जीते और सबसे सफल टीम बना। महिला मुक्केबाजों ने सभी सात फाइनल जीतकर इतिहास रचा, जबकि कुल मिलाकर भारत ने 9 स्वर्ण, 3 रजत और 7 कांस्य पदक अपने नाम किए।

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व युथ विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में जबरदस्त दबदबा बनाते हुए कुल नौ स्वर्ण पदक अपने नाम किए। स्पेन में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत ने विशेष रूप से महिला वर्ग में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। शनिवार को खेले गए मुकाबलों में भारत की सात महिला मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई और सभी ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। 54 किग्रा भार वर्ग में तो खिताबी मुकाबला



पूरी तरह भारतीय मुक्केबाजों के बीच ही खेला गया।

200 से अधिक मुक्केबाजों ने लिया हिस्सा

बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से अधिक मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया, जो सीजन की शुरुआत में एक उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय चुनौती थी। भारत ने प्रतिभागिता में नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदकों के साथ सबसे सफल टीम के रूप में अभियान समाप्त किया।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'बॉक्सम एलीट ने हमें वही अंतरराष्ट्रीय अनुभव दिया जिसकी हमें इस चरण पर आवश्यकता थी। फाइनल मुकाबलों में शानदार सफलता हमारी तैयारी और कार्यक्रम की प्रगति को दर्शाती है। आने वाला वर्ष चुनौतीपूर्ण है और यह टूर्नामेंट हमारी तैयारियों के लिए बेहद अहम साबित हुआ।' महिला वर्ग में मंजू रानी (48 किग्रा) और नीतू (51 किग्रा) ने स्पेन की मुक्केबाजों को हराकर खिताब जीता। प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने यूक्रेन की मुक्केबाजों के खिलाफ 5-0 के स्पष्ट फैसले से जीत दर्ज की। वहीं लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4-1 से हराकर अपना कांस्यक नियंत्रण और अनुभव दिखाया।

वयों विवादों में है शीतकालीन ओलंपिक का उद्घाटन समारोह, सोशल मीडिया पर इस कारण हो रही आलोचना

नई दिल्ली। शीतकालीन खेल 2026 की शुरुआत हो गई है। टूर्नामेंट की शुरुआत में ही उद्घाटन समारोह विवादों में घिर गया है और सोशल मीडिया पर इसकी आलोचना हो रही है। आखिर जानते हैं कि इस कारण पूरा विवाद खड़ा हुआ है।

मिलानो कोर्टिना 2026



शीतकालीन ओलंपिक का उद्घाटन समारोह विवादों में घिर गया है। इसमें वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं जिसने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। इन खेलों की शुरुआत सात फरवरी को हुई और इसका आगाज भव्य उद्घाटन समारोह के जरिये हुआ, लेकिन सोशल मीडिया पर इस समारोह की आलोचना हो रही है। इस कारनामे में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेस और उनकी पत्नी उषा भी शामिल थीं। उद्घाटन समारोह के अंत में ओलंपिक कैलेंडर (जिसे इटालियन

स्कीयर सोफिया गोगिया ने जलाया) को कुछ यूजर्स ने अप्स-डाउन पेंटाग्राम (उल्टा तारा) के रूप में देखा जो सैटैनिज्म (शैतानी) का प्रतीक माना जाता है। कई यूजर्स ने आयोजकों पर शैतानी प्रतीकों को प्रदर्शित करने का आरोप लगाया है। समारोह के कई वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अभी तक इन आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने घेरा

उद्घाटन समारोह मिलान और कोर्टिना डी'एम्पेजो में आयोजित किया गया, जबकि मुख्य कार्यक्रम सैन सिर्रो स्टेडियम में हुआ। कुछ ही देर में समारोह के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। यूजर्स ने आयोजकों की जमकर आलोचना की और कहा कि उन्हें बिल्कुल अंत में एक अप्स-डाउन पेंटाग्राम दिखाई दे रहा था शीतकालीन ओलंपिक एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता है, जो हर चार साल में बर्फ और हिम पर खेले जाने वाले खेलों के लिए आयोजित की जाती है। इसकी शुरुआत 1924 में फ्रांस के शैमॉनिक्स से हुई थी। इसमें स्कीइंग, आइस हॉकी, फिगर स्केटिंग और स्नोबोर्डिंग जैसे रोमांचक खेल शामिल होते हैं। इस बार 'एकी माउंटनिंग' को पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया है।

अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित, वैभव सूर्यवंशी सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई। अंडर-19 विश्व कप के लिए चुनी गई सर्वश्रेष्ठ टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। दिलचस्प बात यह है कि विश्व विजेता कप्तान आयुष म्हात्रे का नाम इसमें शामिल नहीं है।

अंडर-19 विश्व कप खत्म हो चुका है और रविवार को आईसीसी ने टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम घोषित की। इसमें फाइनल मुकाबले में दमदार पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है, जबकि अन्य दो भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं। हालांकि, कप्तान आयुष म्हात्रे सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह नहीं बना सके। इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंदों में 175 रन की शानदार पारी खेलने के बाद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए 14 साल के सूर्यवंशी के अलावा टीम के उनके साथी कनिष्क चौहान और हेनरिग पटेल को भी 12 सदस्यीय टीम में जगह मिली।

'हमें मालूम था कि वह बवंडर बन कर आएगा, लेकिन चक्रवात बन गया', बोले वैभव सूर्यवंशी के दादा

आईसीसी अंडर-19 पुरुष विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम

वैभव सूर्यवंशी (भारत), विरान वामुदित्थ (श्रीलंका), फैजल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर, कप्तान) (इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मायेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरीस्तानी उमरजाई (अफगानिस्तान), विल लोवेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनरिग पटेल (भारत)।

भारत छठी बार बना विजेता भारत ने इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता। कनिष्क ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि हेनरिग के 11 विकेट में अमेरिका के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट का



शानदार स्पेल भी शामिल था। उप विजेता इंग्लैंड के भी तीन खिलाड़ी टीम में जगह बनाने में सफल रहे जिसमें थॉमस रेव को कप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है। रेव ने 66 रनों की औसत से 330 रन बनाए जिसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

चयन पैनल में कौन-कौन था शामिल

फैजल खान शिनोजादा और नूरीस्तानी उमरजाई की अफगानिस्तान की जोड़ी को भी टीम में चुना गया जिन्होंने अपने देश को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फैजल ने टूर्नामेंट में आयरलैंड और भारत के खिलाफ लगातार दो शतक लगाए जबकि नूरीस्तानी ने 14 विकेट लिए जिसमें तंजानिया के खिलाफ नौ रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओलिवर पीक ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाए। ओलिवर, पाकिस्तान के अली रजा और वेस्टइंडीज के विलेलोवेस को भी टीम में जगह मिली। रजा ने 13.92 की औसत से 13 विकेट लिए और उनका इकोनॉमी रेट चार रन प्रति ओवर से थोड़ा अधिक था जबकि जैमैका के बाएँ हाथ के रिपनर लावेस ने पांच मैच में 10 विकेट लिए। चयन पैनल में इयान बिशप (समन्वयक), लीडिया ग्रीनवे, एंडी पलावर और टेलफोर्ड वाइस शामिल थे।

सेमीफाइनल में मैच जिताने वाला शतक भी शामिल है।

मैनी लुम्सडेन 16 विकेट के साथ टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाज रहे। बेन मायेस को भी टीम में जगह मिली जो स्कॉटलैंड के खिलाफ 191 रन की पारी सहित कुल 444 रन बनाकर

टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर रहे। मायेस अंडर-19 पुरुष विश्व कप में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के सर्वाधिकारिक रिकॉर्ड की बराबरी करने से सिर्फ एक रन दूर थे जो चार दिन पहले श्रीलंका के विरान चामुदित्थ ने बनाया था। विरान को भी टीम में चुना गया है।

न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया

चेन्नई। न्यूजीलैंड ने टी-20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है। न्यूजीलैंड ने ग्रुप डी के मुकाबले में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया।

सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट के अर्धशतक की मदद से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को ग्रुप डी के मुकाबले में पांच विकेट से हराया। न्यूजीलैंड ने इस तरह टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की है।

अफगानिस्तान ने गुलबदिन नईब के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 182 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली। न्यूजीलैंड के लिए इस मैच के हीरो सीफर्ट रहे।

सीफर्ट ने न्यूजीलैंड को संभाला: 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत झटकों के साथ हुई। दूसरे ओवर में मुजीब उर रहमान ने लगातार दो विकेट लेकर कीवियों के बैकफुट पर ला



दिया। फिन एलन एक और रचन रवींद्र शून्य पर आउट हुए।

दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 74 रनों की साझेदारी हुई। फिलिप्स इस दौरान 25 गेंदों में 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं, सीफर्ट ने 42 गेंदों पर 65 रनों की दमदार पारी खेली जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल हैं।

न्यूजीलैंड को पांचवां झटका मार्क चापमैन के रूप में लगा जो 17 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए। फिर डेरिल मिचेल और कप्तान मिचेल सेंटरन ने न्यूजीलैंड के लिए जीत की ओपचारिकता को पूरा किया। मिचेल

14 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि सेंटरन ने आठ गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 17 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब उर रहमान को दो विकेट मिले, जबकि अजमातुल्लाह ओमरजाई, राशिद खान और मोहम्मद नबी को एक-एक सफलता मिली।

अफगानिस्तान ने पावरप्ले में गंवाए दो विकेट: अफगानिस्तान के लिए इब्राहिम जादरान और रहमातुल्लाह गुरबाज ने पारी की शुरुआत की। दोनों ने टीम को सही

शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 35 रन जोड़े। हालांकि, पावरप्ले खत्म होने से पहले लॉकी फर्ग्युसन ने न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान को आउट किया जो 12 गेंदों पर एक चौके की मदद से 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद फर्ग्युसन ने इस ओवर की आखिरी गेंद पर गुरबाज को बोल्ट किया। गुरबाज ने 22 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 27 रन बनाए।

सैदिकुल्लाह-गुलबदिन के बीच साझेदारी: पावरप्ले में ही दो विकेट गिरने के बाद सैदिकुल्लाह और गुलबदिन नईब ने शानदार साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी हुई जिससे अफगानिस्तान का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा। गुलबदिन ने 29 गेंदों पर पचासा पूरा किया, लेकिन इसके तुरंत बाद ही सैदिकुल्लाह अपना विकेट गंवा बैठे। सैदिकुल्लाह 24 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए।

रियल मैड्रिड का मैच देखने जाने वाले थे सिराज, टीम में वापसी की बात लगी मजाक, बताया कैसी थी प्रतिक्रिया

मुंबई। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने खुद को मिले मौके का पूरा उठाया। उन्होंने अमेरिका के खिलाफ मैच के बाद बताया कि किस तरह उन्हें भरोसा नहीं हुआ था कि वह टी20 विश्व कप टीम में चुन लिए गए हैं।

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए टी20 विश्व कप में टीम में जगह बना पाना किसी सपने से कम नहीं रहा। सिराज को पहले 15 सदस्यीय टीम में भी नहीं चुना गया था, लेकिन हार्शित राणा के चोटिल होने के बावजूद होने से उन्हें टीम में जगह मिली। फिर जसप्रीत बुमराह बीमार पड़ गए और अमेरिका के खिलाफ खेलने के लिए उपलब्ध नहीं थे तो सिराज को प्लेइंग-11 में भी शामिल होने का मौका मिला। अब इस तेज गेंदबाज ने बताया है कि जब उन्हें विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।



सिराज ने खुद को मिले इस मौके का पूरा फायदा उठाया और अमेरिका के खिलाफ टी-20 विश्व कप में टीम के पहले मैच में अहम योगदान दिया। सिराज ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट झटके। सूर्यकुमार की बल्लेबाजी के बाद सिराज को गेंदबाजी के दम पर भारत यह मुकाबला 29 रनों से अपने नाम करने में सफल रहा। भारत ने इस तरह टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की।

सूर्यकुमार की बात पर नहीं हुआ था भरोसा

सिराज ने बताया कि वह स्पेन जाने वाले थे जहां रियल मैड्रिड को रियल सोसिएदाद के खिलाफ खेलना था, लेकिन तभी कप्तान सूर्यकुमार ने उन्हें फोन कर टीम में शामिल होने की जानकारी दी। सिराज ने कहा, सूर्यकुमार भाई ने कहा कि मियां बैंग पैक कर और मुंबई आजा। मैंने उनसे कहा कि भाई मजाक मत करो क्योंकि

ये तो होने वाला नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा कि मैं सच कह रहा हूँ, रेडी हो जा। इसके बाद भारतीय टीम के चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा का मेरे पास फोन आया। किसमत में जो लिखा है उसे बदला नहीं जा सकता है।

स्पेन जाने का था प्लान

सिराज हैदराबाद के लिए रणजी ट्रॉफी में खेल रहे थे। यह पट्टे जाने पर कि फरवरी में ब्रेक के दौरान उनका क्या प्लान था। इस पर सिराज ने कहा, 15 फरवरी को रियल मैड्रिड का मैच है और मैं इसे देखने के लिए जाने वाला था, लेकिन किसमत को तो कुछ और ही मंजूर था। यहां तक कि टीम के कोचिंग स्टाफ के सदस्य आंद्रियान ली रोडक्स ने मुझे मैसैज करके पूछा कि क्या प्लान है तो मैंने उन्हें कहा कि अभी मैसैज मत करो क्योंकि मुझे दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं और इसके लिए आराम की जरूरत है।

तेजस्विन शंकर का शानदार प्रदर्शन, एशियाई इंडोर चैंपियनशिप में पहले दिन शीर्ष पर

नई दिल्ली। शंकर ने दिन की शुरुआत 60 मीटर दौड़ में की और 7.11 सेकेंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए 844 अंक हासिल किए।

एशियाई खेलों के पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तेजस्विन शंकर ने शनिवार को 12वीं एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हेप्टाथलॉन स्पर्धा के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान के साथ अपनी पकड़ मजबूत बना ली है। चार स्पर्धाओं के बाद 27 साल का यह खिलाड़ी कुल 3513 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। चीन के जिहूई हुआ 3241 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

तेजस्विन डेकाथलॉन के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं। उन्होंने दिन की शुरुआत 60 मीटर दौड़ में 7.11 सेकेंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए 844 अंक हासिल किए। उन्होंने 7.53 मीटर की छलांग के साथ लंबी कूद स्पर्धा से 942 अंक जोड़े। इसके बाद गोला फेंक में 13.63 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से उन्हें 706 अंक



मिले। दिन की चौथी और अंतिम स्पर्धा ऊंची कूद में तेजस्विन ने 2.23 मीटर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 1021 अंक हासिल कर तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए।

हेप्टाथलॉन की शेष तीन स्पर्धाएं (60 मीटर बाधा दौड़, पोल वॉल्ट और 1000 मीटर) रविवार को अंतिम दिन आयोजित होगी। महिलाओं की 60 मीटर दौड़ में भारत की नित्या गांधी ने 7.49 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ सातवां स्थान हासिल किया। इससे पहले हीट में उन्होंने 7.50 सेकेंड का समय निकालकर फाइनल में प्रवेश किया था।

वानखेड़े में आया यादों का सैलाब, भावुक हुए पूर्व विश्वकप विजेता कप्तान रोहित शर्मा

वानखेड़े। रोहित शर्मा की वानखेड़े स्टेडियम में वापसी यादों और भावनाओं से भरी रही, जहां उन्होंने मैदान के उस पार खड़े होकर अपने बदले हुए किरदार को महसूस किया। टी20 विश्व कप 2026 के उद्घाटन पर मिली तालियां और प्यार ने साबित किया कि रोहित सिर्फ पूर्व कप्तान नहीं, बल्कि आज भी करोड़ों दिलों की धड़कन हैं।

वानखेड़े स्टेडियम....! वही मैदान, वही दर्शक, वही जोश लेकिन इस बार रोहित शर्मा मैदान पर कप्तान के तौर पर नहीं, बल्कि टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में लौटे। शनिवार को जैसे ही टी20 विश्व कप 2026 का भव्य आगाज हुआ, सबसे जोरदार तालियां किसी कलाकार या परफॉर्मर के लिए नहीं, बल्कि रोहित शर्मा के लिए गूँजीं। जिस मैदान पर उन्होंने 2024 में भारत की विश्व कप जीत का जश्न मनाया था।

अतीत की यादें ताजा हुईं

वानखेड़े में लौटकर रोहित भावुक हो उठे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट



परिपद (आईसीसी) ने रविवार को रोहित शर्मा का एक भावुक कर देने वाला वीडियो साझा किया। इसमें पूर्व भारतीय कप्तान को सूर्यकुमार एंड

टीम से कहते सुना गया, 'अजीब लग रहा है इधर... वहां से इधर आना बहुत अजीब लग रहा है।' उनकी आवाज में स्मृतियों का सैलाब था, आंखों में

वीते पलों की झलक थी। जैसे ही रोहित मैदान पर आए, पूरा स्टेडियम स्टैंडिंग ओवेशन में बदल गया। चारों ओर से गूंजते नारे, 'मुंबई च राजा...

खिलाड़ियों से मुलाकात, गले मिले रोहित

रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम से मुलाकात की, खिलाड़ियों से बातचीत की और सभी का होसला बढ़ाया। इस दौरान वह रेपर बादशाह से गले मिलते भी देखे, वहीं हार्दिक पांड्या भी वीडियो में नजर आए।

रंग, रोशनी और यादें

उद्घाटन समारोह में पहले बादशाह का शानदार परफॉर्मंस हुआ, फिर नोरा फतेही के डांस ने प्रशंसकों में जोश भर दिया। एलईडी लाइट्स और आतिशबाजी से वानखेड़े बैंगनी और सुनहरे रंगों में नहा उठा...जैसे ही यादों और जज्बातों का जश्न मनाया जा रहा है।

मुंबई च राजा! ने देश-दुनिया में बैठे हर प्रशंसक को भावुक कर दिया।

'इस पल को जीना सीखना होगा' रोहित ने मुस्कराते हुए कहा, 'यहां आना हमेशा खास होता है। मुंबई को क्रिकेट से जो प्यार है, वो कहीं और नहीं मिलता। यहां की ऊर्जा कभी निराश नहीं करती।' इस दौरान हिटमैन ने अपने दिल की बात बेहद सादगी से कही। उन्होंने कहा, 'इतनी भागदौड़ में हम कभी-कभी ये भूल जाते हैं कि इस पल को भी जीना है।

ये लम्हे दोबारा नहीं आते। भारत में खेलना कभी आसान नहीं होता।' उन्होंने स्वीकार किया कि अब मैदान के इस तरफ खड़े होना उन्हें अब भी अजीब लगता है। रोहित बोले, 'यह बहुत भावुक एहसास है, क्योंकि अभी तक इस बात की आदत नहीं पड़ी है कि मैं इस तरफ हूँ, उस तरफ नहीं।' राष्ट्रीय गान के दौरान खड़े होने का अनुभव भी उनके लिए अलग था। रोहित ने कहा, 'यह पल बहुत खास था, लेकिन बिल्कुल अलग भी।'



रिया गंगल और रमन गर्ग की रोका सेरेमनी हुई धूमधाम से सम्पन्न



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। देवेन्द्र गंगल तथा कविता गंगल की सुपुत्री रिया गंगल की रोका सेरेमनी पवन गर्ग और शिल्पी गर्ग के सुपुत्र पवन के साथ धूमधाम से सम्पन्न हुई। वेदंता फार्म हाउस में आयोजित रोका सेरेमनी में रिया और रमन को आशीर्वाद देने के लिए समाज के गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने रिया और रमन को आशीर्वाद देते हुए उन्हें बधाई तथा शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कविता गंगल, देवेन्द्र गंगल तथा गंगल परिवार और पवन गर्ग तथा शिल्पी गर्ग और गंगल परिवार ने रोका सेरेमनी में आये सभी अतिथियों को आदर सत्कार करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

पुलिस चैकिंग के दौरान 2 व्यक्ति अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार

मोदीनगर, करंट क्राइम। पुलिस ने रात्री गश्त के दौरान दो युवकों को अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। शनिवार की रात पुलिस गश्त कर रही थी, कि सूचना पर पुलिस ने सच्चाधाम निवासी आकाश मोंधा व नेहरू कॉलोनी निवासी ललित उर्फ मोनू के पास से पुलिस ने 1130 ग्राम



गांजा, 6500 रुपये नगद व एक ऑटो रिक्शा बरामद किया गया। पृष्ठच्छा में नेहरू कॉलोनी निवासी ललित उर्फ मोनू के पास से पुलिस ने 1130 ग्राम



वया बढ़ेगी दो सर्किलों की टेंशन

पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बीते दिनों एसीपी स्तर के अधिकारियों की लिस्ट आई है थी। इस लिस्ट में पांच एसीपी स्तर के अधिकारियों के फेस बदले थे तो कई को रेंस से आउट होना पड़ा था। वहीं एक एसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव होने की चर्चाएं बहुत दूर तक हैं। उधर कोर्ट बता रहा है कि दो बड़े मामलों के बाद एक इस एक्शन को लेकर भी रीएव शन बाहर निकल कर आए हैं। इस लिस्ट के बाद अब कहा जा रहा है कि अभी कई और समीकरण बदलेंगे। तो कोई नए समीकरण भी जुड़ने की बात बताई जा रही है। इसके हाथ ही अभी होली से पहले एक से दो बदलाव वाला संदेश आया। तो वहीं पुलिस के सूत्रों द्वारा बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद के सिस्टम में टेंशन अधिक बढ़ेगी। बताया जा रहा है एक तो सिटी का सर्किल है और दूसरा देहात वाला, दोनों जगह नए एसीपी आए हैं। जिनको भौगोलिक जानकारी के साथ सामाजिक तालमेल बैठाना भी आवश्यक होगा। तो उधर पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद वाले सूत्र बता रहे हैं कि एक एसीपी ने आते ही पहले ही दिन थाने में पुलिस कमिश्नों के साथ मीटिंग कर डाली है। तो वह मीटिंग के लिए बिल्कुल राइट टाइम पहुंच गए थे, उनके पहुंचने के बाद इलाके वाले चौकी प्रभारियों को एक-एक करके बुलाया गया था। पहले ही दिन न सिर्फ बैठक हुई है बल्कि पैदल गश्त वाला संदेश भी देने का काम किया गया है। उधर जिस तरीके से बड़े साहब द्वारा दो एसीपी पर भरोसा जताते हुए महत्वपूर्ण स्थान पर भेजा गया है। तो सवाल अभी बना हुआ है कि एक एसीपी को साइड लाइन क्यों किया गया है। बताया जा रहा है उनकी चर्चा इस कदर जारी है जो कम होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं लखनऊ वाले सूत्र बता रहे हैं कि जिन एसीपी लोगों का समय पूरा हो गया था, उनको अभी होली मनाने का कमिश्नरेंट में समय मिल सकता है। तो बताया जा रहा है कि शिवरात्रि के बाद भी किसी को पुरस्कार मिल सकता है। अब देखा होगा पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद वाले सिस्टम में किसकी मौज आएगी और किसको अभी कुछ दिन और वेट और लेट वाले स्फर के साथ समय गुजारना होगा। उधर पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद वाले सिस्टम के प्रमुख सूत्र यह जानकारी दे रहे हैं कि आईपीएस लिस्ट को लेकर भी अभी भी मंथन वाला काम चल रहा है। देखा होगा फाइनल लिस्ट कब और किसके नाम की जारी होती है।



इंदिरापुरम के तिकोना पार्क में 'विराट हिंदू सम्मेलन' का आयोजन



साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम के वैभव खंड स्थित कावेरी बस्ती द्वारा तिकोना पार्क में 'विराट हिंदू सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जय भारत मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन समिति और स्थानीय लोगों ने उनका फूल-मालाओं और स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि नरेंद्र शर्मा ने समाज में सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और आपसी एकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल सामाजिक समरसता बढ़ती है,



बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों और गौरवशाली इतिहास से जुड़ने का अवसर भी मिलता है। वैभव खंड की कावेरी बस्ती द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समाज में एकता के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन समिति और स्थानीय लोगों ने उनका फूल-मालाओं और स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि नरेंद्र शर्मा ने समाज में सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और आपसी एकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल सामाजिक समरसता बढ़ती है,

हरनंदी महानगर में 'पंच परिवर्तन' के संकल्प के साथ गूँजा हिंदू एकता का शंखनाद



साहिबाबाद (करंट क्राइम)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में 'सकल हिंदू समाज' द्वारा आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन श्रृंखला के तहत रविवार को हरनंदी महानगर भक्ति और राष्ट्रवाद के रंग में सराबोर नजर आया। इंदिरापुरम से लेकर गौड़ सिटी तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हजारों की संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लेकर सामाजिक एकजुटता का परिचय दिया। आयोजनों में वैचारिक चेतना और सांस्कृतिक भव्यता का अनूठा संगम देखने को मिला। इंदिरापुरम में आयोजित कार्यक्रम में 'लव जिहाद' जैसे गंभीर विषय पर एक मर्मस्पर्शी नाटक का मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को सामाजिक खतरों के प्रति जागरूक किया। वहीं, गौड़ सिटी में मातृशक्ति द्वारा निकाली गई भव्य कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को केसरियाभूषण कर दिया। इंदिरापुरम: 3 विशाल कार्यक्रमों में 4,000 से अधिक नागरिक जुटे। खोड़ा: 8 केंद्रों पर 3,000 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। गौड़ सिटी व क्रॉसिंग रिपब्लिक: यहाँ 4,000 से अधिक लोगों ने एकता का प्रदर्शन किया। विभिन्न केंद्रों पर संतों का सानिध्य प्राप्त हुआ। स्वामी दीपाकर जी, साध्वी प्राची जी, साध्वी शिवाचार्य कृष्णा जी और महंत नवलकिशोर जी महाराज ने सानातन धर्म की रक्षा का आह्वान किया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित विभाग प्रचारक अतुल जी एवं महानगर प्रचारक राजन जी ने



संघ के 100 वर्षों के सेवा कालों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रत्येक परिवार से 'पंच परिवर्तन' के पांच सूत्रों को जीवन में उतारने का संकल्प दिलाया। नागरिक कर्तव्य है कि हिंदू समाज अपनी संस्कृति के लिए जागृत हो चुका है। 'पंच परिवर्तन' से हर घर संस्कार का केंद्र बनेगा। कार्यक्रम का समापन अत्यंत सौहार्दपूर्ण रहा। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे के साथ फूलों की होली खेली और 'समरसता भोज' (प्रसाद) ग्रहण कर छुआछूत और भेदभाव मिटाने का संदेश दिया।

घेनो सोसाइटी आत्महत्या मामले में व्हाट्सएप कॉल से हुआ विवाद उजागर

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित सेक्टर-16बी श्री राधा स्कॉर्ड गार्डन सोसाइटी में पाटी के दौरान हुए आत्महत्या करने के मामले में प्रिया और आरोपी की पत्नी के बीच कहासुनी की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी को उसकी पत्नी ने अनाक सैल्यूटेशन पर वीडियो कॉल की थी। इस वीडियो कॉल को

प्रिया ने उठाया था और देर रात को फोन करने का कारण पूछा था। दोनों के बीच काफी कहासुनी हुई। इसके बाद प्रिया और आरोपी हेड कास्टबल के बीच काफी देर तक बहसबाजी हुई। इसके बाद जब आरोपी डाइंग रूम में था, तो प्रिया ने कमरे में जाकर आत्मघाती कदम उठा लिया है।

निर्माणाधीन बिल्डिंग में शटरिंग गिरने से 2 मजदूरों की मौत, 1 घायल

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-142 क्षेत्र में स्थित एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरने से 3 मजदूर घायल हो गए। उपचार के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने इस मामले में सुपरवाइजर और ठेकेदार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहां काम कर रहे लोगों का आरोप है कि कंस्ट्रक्शन साइट पर सुरक्षा के पूरे उपाय नहीं थे। डीसीपी सेन्ट्रल नोएडा कि मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के सेक्टर-142 में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम करते समय रविवार की दोपहर में शटरिंग गिर गई, जिसकी वजह से 3 मजदूर मृत्यु सिद्ध उम्र 44 वर्ष, शिबू उम्र 24 वर्ष तथा मिथुन उम्र 40 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर दो मजदूरों मृत्यु सिद्ध सिंह और शिबू की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कंस्ट्रक्शन साइट के सुपरवाइजर और ठेकेदार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।



ग्रेटर नोएडा में सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

नोएडा (करंट क्राइम)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर हुए सड़क हादसों में मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार थाना दनकौर क्षेत्र में एक ट्रैक्टर चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए एक मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित मृतक के परिजनों ने रविवार को सड़क पर शव को रखकर जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझा बुझाकर शांत करवाया। थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि देवेन्द्र पान सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मोहल्ला पौरवाला कस्बा दनकौर में रहता है। पीड़ित के अनुसार उसका भाई बबलू बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहा था, तभी एक ट्रैक्टर चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दिया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के शारदा अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।



होटल कारोबारी ने पीएनबी के 5 अधिकारियों के खिलाफ दर्ज कराया धोखाधड़ी का मुकदमा

नोएडा। कोर्ट के आदेश पर थाना सेक्टर-49 में एक होटल व्यापारी ने पंजाब नेशनल बैंक के पांच अधिकारियों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई है। होटल कारोबारी का आरोप है कि बैंक के लोगों द्वारा उसकी 60 करोड़ रुपये की संपत्ति को हड़पने की साजिश रची गई। थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि नोएडा के सेक्टर-47 निवासी होटल कारोबारी अनिल बबबर की शिकायत पर नोएडा पुलिस ने बैंक के सर्किल हेड, जौनल मैनेजर और शाखा प्रबंधक समेत पांच के खिलाफ धोखाधड़ी, फजीवाड़ा और साजिश रचने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर यह रिपोर्ट दर्ज की है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर रविंद्र कुमार पांडे बैंक के सर्किल हेड, नरेंद्र सिंह बिष्ट शाखा प्रबंधक, प्रिया रंजन जौनल शाखा प्रबंधक, एसएन दुबे जौनल हेड, और मनीष कश्यप एमसीसी हेड तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120 बी, 420, 467, 468, 471 और 506 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को पीड़ित ने बताया है कि वह एक कंपनी में पार्टनर है।



गाजियाबाद करंट क्राइम। दोस्त के जन्मदिन पर दोस्तों ने ही अपने जिगरी को जी भरकर शुभकामनाएं दीं। अक्षय आहुजा का जन्मदिन है और उनके दोस्तों, शिवम कोशल और प्रखर भल्ला ने स्पेशल विश की और दोस्त के लिए हर खुशी, हर सफलता और हर मंगल की कामना की ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

